दूसरे दिन आयोजित हुई अध्यापक पात्रता परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न

प्रथम पारी में 87.92 तथा द्वितीय पारी में 93.62 प्रतिशत उपस्थिति रही

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा-2022 (रीट) रविवार को निविघ्न सम्पन्न हो गई। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और रीट के मुख्य समन्वयक लक्ष्मी नारायण मंत्री और समन्वयक मेघना चौधरी ने संयुक्त बयान जारी कर बताया की रीट परीक्षा कन्ट्रोल रूम को राज्य के सभी परीक्षा केन्द्रों पर शान्तिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न होने की सूचना मिली है।

राजस्थान शिक्षा बोर्ड प्रशासन ने सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए राज्य सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया है। रोडवेज, रेल्वे और परिवहन विभाग ने परीक्षार्थीयों के आवागमन की माकूल व्यवस्था की, जिस कारण कहीं भी किसी तरह के जाम स्थिति पैदा नही हुई और परीक्षार्थी भी परीक्षा समाप्ति के पश्चात् सुविधाजनक तरीके से अपने गन्तव्य स्थान को रवाना हो गये।

परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता को बनाये रखने के लिए बोर्ड ने इस वर्ष कई नये नियम बनाये। रीट परीक्षा के सुरक्षा मानकों मे कुछ नये आयाम जोड़े गये। रीट की समन्वयक मेघना चौधरी ने बताया की शनिवार को रीट परीक्षा के प्रथम स्तर की परीक्षा मे राज्य के समस्त परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की उपस्थिति 79.23 प्रतिशत रही। इस परीक्षा मे 3,18,508 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। रीट परीक्षा के द्वित्तीय स्तर की परीक्षा तीन परियों मे आयोजित की गई। शनिवार को सांयकालीन सत्र मे आयोजित द्वित्तीय स्तर की प्रथम पारी मे 3,79,923 परीक्षार्थी परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। उपस्थिति 87.92 प्रतिशत रही। रविवार को प्रात:कालीन सत्र मे आयोजित द्वित्तीय स्तर की द्वित्तीय पारी मे 4,04,188 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जिनकी उपस्थिति 93.62 प्रतिशत रही। वही सायंकालीन सत्र में आयोजित द्वितीय स्तर की परीक्षा की तृतीय पारी में 368691 परीक्षार्थी शामिल हुए जिनकी उपस्थिति 85.58 प्रतिशत रही। शनिवार को आयोजित दोनों सत्रों की रीट परीक्षा की ओएमआर शीट राज्य के सभी जिलों से सशस्त्र पुलिस व्यवस्था के साथ रविवार सुबह तक रीट कार्यालय पहुच गई। इसी तरह रविवार को आयोजित रीट द्वितीय स्तर की परीक्षा की दोनों पारियों की ओएमआर शीट पूरे प्रदेश से रीट कार्यालय पहुचने का सिलसिला जारी है।

रीट परीक्षा में काफी अभ्यर्थी समय से लेट पहुंचने के कारण शामिल नहीं हो पाए

झुंझुनूं, (निसं)। पूरे प्रदेश में चली रीट परीक्षा दो दिनों तक झुंझुनूं के 59 परीक्षा केंद्रों पर हुई। दो दिनों तक बिना कोई गड़बड़ी के परीक्षा संपन्न होने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। रविवार को परीक्षा के अंतिम दिन दोनों पारियों में 91.81 फीसदी अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। रविवार को भी शनिवार की तरह काफी अभ्यर्थी समय से लेट पहुंचने के कारण परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए। वहीं जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी तथा एसपी मृदुल कच्छावा ने अपनी टीमों के साथ परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं को देखा। पूरी परीक्ष में ट्रेफिक जाम को छोड़ दें तो कहीं पर भी व्यवस्था फेल नहीं दिखी। दोनों दिन दोनों पारियों में परीक्षा संपन्न होने के बाद मुख्य चौराहों पर ट्रेफिक को सामान्य कराने में ना केवल ट्रेफिक पुलिसकर्मी, बल्कि आरएसी जवान भी जद्दोजहद करते नजर आए। इधर, अभ्यर्थियों ने शनिवार की तरह रविवार का पेपर भी इजी और सामान्य ही बताया।

जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी ने बताया कि रीट परीक्षा की प्रथम पारी में जिले में 19730 अभ्यर्थियों में से 18743 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। वहीं 987 अनुपस्थित रहे। जबकि दूसरी पारी में 19729 अभ्यर्थियों में से 17486 रहे उपस्थित और 2,243 अनुपस्थित रहे। पहली पारी में 95.08 प्रतिशत व दूसरी पारी में 88.63 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी ने जेपी जानू सीनियर सैकंडरी, जेके मोदी स्कूल, मुरारका कॉलेज, रानी सती मंदिर के पास झुंझुनूं एकेडमी स्कूल और नेतराम मघराज कॉलेज में बने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान निजी सहायक विपिन चौधरी भी साथ रहे।

झुंझुनूं में आयोजित हो रही रीट परीक्षा 2022 में दूसरे दिन की दूसरी पारी के दौरान सेठ मोतीलाल कॉलेज परिसर में बनाए गए एक सेंटर पर पुलिस का मानवीय चेहरा देखने को मिला। सेंटर पर परीक्षा देने के लिए आए हेजमपुरा निवासी मुकेश कुमार का 3 दिन पहले ही सड़क हादसे में पैर टूट गया था। वह परीक्षा केंद्र पर टेंपो में सवार होकर आया। परीक्षा केंद्र पर व्हीलचेयर नहीं होने के कारण पैर फ्रेक्चर हुए अभ्यर्थी मुकेश कुमार को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान वहां तैनात मोबाइल पार्टी इंचार्ज विजेंद्र सिंह को इसकी जानकारी मिली कि एक अभ्यर्थी टेंपो में है और व्हीलचेयर नहीं होने के कारण परीक्षा केंद्र नहीं जा पा रहा है। जिस पर उन्होंने तत्काल अपनी मोबाइल पार्टी की गाड़ी से उसको परीक्षा केंद्र के अंदर पहुंचाया। परीक्षार्थी मुकेश ने पुलिस मोबाइल पार्टी का आभार जताया। इसके अलावा भी शहर में परीक्षा से संबंधित आपराधिक मूवमेंट पर नजर रखने के लिए ना केवल सादा वर्दी में पुलिसकर्मी लगाए गए है। बल्कि सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है।

झुंझुनूं में परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की अच्छी तरह से जांच पड़ताल की गई।

- फुल बाजू के कुर्ते और शर्ट की हाफ बाजू काटकर परीक्षा केंद्रों पर ही आधी कर दी गई

पहले दिन लेट लतीफी के चलते कई अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित होना पड़ा था। इसी कारण रविवार सुबह नौ बजने में जब एक-दो मिनट की दूरी थी। तो परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के लिए मैराथन भी देखने को मिली। कई महिला और पुरूष अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र के दरवाजे तक दौड़ लगाकर पहुंचे। वहीं पहले दिन की तरह रविवार को दूसरे दिन भी पुलिस और प्रशासन की सख्ती देखने को मिली। फुल बाजू के कुर्ते और शर्ट की हाफ बाजू काटकर परीक्षा केंद्रों पर ही आधी कर दी गई। इसके अलावा दुपट्टा आदि भी बाहर ही रखवाए गए। सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का आना अल सुबह से शुरू हो गया। नौ बजे तक सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। इसके बाद प्रवेश बंद कर दिया गया। जिसके कारण रविवार को भी एनएमटी कॉलेज, मोतीलाल कॉलेज व मोरारका कॉलेज में कई अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित भी होना पड़ा। मोतीलाल कॉलेज में केंद्र की गफलत के कारण भी एक परीक्षार्थी लेट हो गया। लेकिन उसे बाद में राहत देते हुए प्रवेश दे दिया गया।

लेहणा घाटी में बस पलटने से 12 से ज्यादा सवारी घायल

हादसे के बाद ड्राइवर और कंडक्टर मौके से भाग गए

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा अन्तर्गत एनएच 48 पर रविवार को दोपहर में बांसवाडा के गनोड़ा से अहमदाबाद जा रही एक निजी ट्रेवल्स की बस बेकाबू होकर नेशनल हाइवे के किनारे पलट गई। इससे बस में हाहाकार मच गया। बस में 40 से ज्यादा सवारी बैठी हुई थी, जिसमें से 12 से ज्यादा सवारी घायल हो गई और अन्य को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को बिछीवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीकृष्णा अजंता ट्रेवल्स की एक बस रविवार को बांसवाड़ा के गनोड़ा से अहमदाबाद जा रही थी। डूंगरपुर होते हुए बस आगे रवाना हुई। एनएच 48 पर लेहणा घाटी में पहुंचते ही बस अनियंत्रित हो गई। ड्राइवर ने जैसे ही ब्रेक लगाए तो बस वापस बिछीवाड़ा डूंगरपुर की तरफ मुड़ गई और फिर हाइवे के किनारे नाले पर पलट गई। बस पलटते ही सवारियां चीखने चिल्लाने लगी। बस में एक दूसरे पर टकराते हुए नीचे गिरे। लोगों के हाथ, पैर, सिर और शरीर पर कई जगह चोटें आई। कई लोगों को अंदरूनी चोटें भी आई। एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर और कंडक्टर मौके से भाग गए।

हाइवे से गुजर रहे दूसरे वाहनधारियों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस से घायलों को बिछीवाड़ा हॉस्पिटल के लिए रवाना किया। घटना की सूचना पर बिछीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटनाक्रम में तनवीर सिंह निवासी वरदा, महेंद्र सिंह, अल्पा कुंवर, महेंद्र सिंह निवासी निठाउवा गामड़ी, कैलाश, भारती निवासी टोकवासा, बापुलाल डामोर निवासी सागवाड़ा, भरत सिंह सोलंकी निवासी उदयपुरा सागवाड़ा, जेसी कुंवर निवासी कनबा समेत कई लोग को भर्ती करवाया गया है। इसमें से चार लोगों की हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया है। वहीं, दूसरे कई लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

- गनोड़ा से अहमदाबाद जा रही थी श्रीकृष्णा अजंता ट्रेवल्स की एक बस
- हाइवे से गुजर रहे दूसरे वाहनधारियों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला

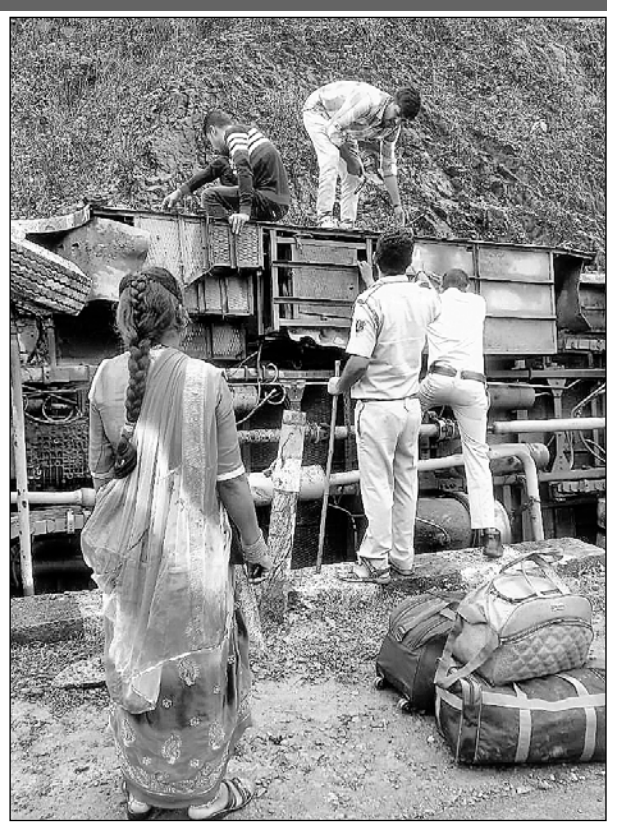

लेहणा घाटी में अनियंत्रित होकर पलटी निजी बस।

रोटी बैंक ने भंडारा लगाया

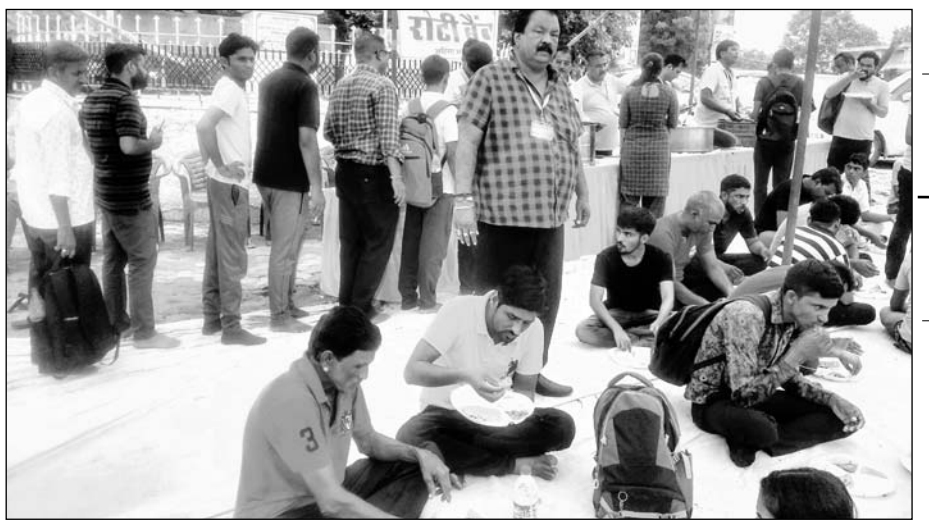

रोटी बैंक की ओर से दूसरे दिन रविवार को भी रीट अभ्यर्थियों के लिए खाने की व्यवस्था की गई।

पाली, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित रीट 2022 परीक्षा के मध्य नजर सेवा को समर्पित रोटी बैंक की ओर से रविवार को भी दूसरे दिन बांगड़ स्कूल तिराहे पर शामियाना लगाकर रीट परीक्षा में आने वाले युवक-युवतियों महिलाओं के लिए खाने की व्यवस्था की। रोटी बैंक के अध्यक्ष आनंद कवाड, सचिव लखपत भंडारी के नेतृत्व में रोटी बैंक जीरावाला मित्र मंडल के सदस्यों ने सुबह 10:बजे से 3:00 बजे तक सभी परीक्षार्थियों को यहां पर खाना खिलाया। रोटी बैंक द्वारा पिछले वर्ष भी परीक्षार्थियों के लिए खाने की दो जगह व्यवस्था की गई थी।

रविवार को दूसरे दिन भी यहां बांगड़ स्कूल तिराया पर खाने की व्यवस्था की गई जिसमें सभी परीक्षार्थियों के साथ उनके परिजनों और ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों को भी खाना खिलाया गया। इस अवसर पर रोटी बैंक के रोशन सेमलानी, चंद्र प्रकाश कोचर मेहता ,महावीर बोकडिया ,निर्मल परिहार ,जितेंद्र चौधरी, भारत मालवीय, राजू कोठारी, अर्जुन बेनीवाल,. ढगलाराम परिहार, नंदू भाई सब्जी वाला दिनेश सेन आदि का सहयोग रहा।

गांजा जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया

पचेरी कलां, (निसं)। करीब ढाई हजार किलोमीटर दूर से अवैध गांजा लेकर पहुंचे एक तस्कर को झुंझुनूं की पचेरी कलां पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डीएसटी झुंझुनूं तथा जयपुर की सीआईडी सीबी की टीम ने संयुक्त रूप से की है। दरअसल गांजा तस्कर कई दिनों से सीआईडी सीबी की रडार पर था। जिसका पीछा करते करते जयपुर की सीआईडी सीबी की टीम भी झुंझुनूं तक पहुंच गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक मारीगांव आसाम निवासी 33 वर्षीय अमित सुतारधर काफी दिनों से गांजा तस्करी का काम करता है। जिसका इनपुट जयपुर सीआईडी सीबी को मिला हुआ था। अवैध गांजे की एक खेप लेकर अमित सुतारधर डीमापुर नागालैंड से रवाना हुआ। जो नागालैंड से दिल्ली तक रेलगाड़ी में सफर करके पहुंचा। वहीं दिल्ली से झुंझुनूं के लिए प्राइवेट बस में बैठा। लगातार वह जयपुर सीआईडी सीबी की रडार पर था। प्राइवेट बस देर रात को ज्यों ही राजस्थान के झुंझुनूं में प्रवेश की। उसी वक्त पचेरी कलां थाने के सामने नाकाबंदी कर बस को रूकवाया गया। जिसमें आरोपी अमित बैठा हुआ था। जिसके पास एक बैग भी था। इस बैग की तलाशी ली तो उसमें 55 किलो के करीब अवैध गांजा था। आरोपी से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह माल वह उदयपुरवाटी में पहुंचाने के लिए आया था। जिसे लेकर भी पुलिस जांच में जुट गई है।

- नागालैंड से लेकर आया था तस्कर 55 किलो गांजा
- झुंझुनूं में प्रवेश करते ही डीएसटी टीम ने दबोचा

कोटपुतली इलाके में करता था सप्लाई :- सूत्रों की मानें तो अमित काफी दिनों से राजस्थान में गांजा सप्लाई कर रहा है। हालांकि पुलिस जांच में ऐसी कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन सूत्र बताते है कि कोटपुतली इलाके में वह गांजा सप्लाई करता था। जिसका इनपुट झुंझुनूं डीएसटी के पास था। झुंझुनूं डीएसटी ने यही इनपुट जयपुर सीआईडी सीबी के साथ साझा किया था। जिसके बाद जयपुर सीआईडी सीबी इसके पीछे लग गई थी। लेकिन इस बार अमित सप्लाई देने झुंझुनूं ही पहुंच गया तो डीएसटी ने जयपुर सीआईडी सीबी के साथ आरोपी को धर दबोचा।

बताया जा रहा है कि डीमापुर गांजे की खेती का बड़ा केंद्र है। यही कारण है कि वहां पर गांजा आसानी से 3-4 हजार रूपए किलो में मिल जाता है। इस माल को चार गुना कीमत में बेचने के लिए गांजे की तस्करी कर राजस्थान पहुंचाया जाता है। राजस्थान में गांजे की कीमत 12 से 13 हजार रूपए किलो आसानी से मिल सकती है। इस चार गुना पैसे के चक्कर में अमित काफी दिनों से राजस्थान में गांजा सप्लाई कर रहा था।

पर्यटक स्थलों पर उमड़ी भीड़

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में छाए मानसून के असर से मौसम सुहावना बना हुआ है। रविवार को मारवाड़ में मौसम सुबह से ही खुशनुमा बना हुआ है। आसमां बादलों से अटा पड़ा है। अवकाश रहने से लोगों ने इसका आनंद पर्यटन स्थलों पर उठाया। हालांकि दोपहर तक शहर में बारिश नहीं हो पाई। मगर बादलों की आवाजाही बनी हुई है। घने काले बादल शहर में छाए हुए है। जोधपुर संभाग में भी बादलों के छाने से मौसम पूर्णत: खुशनुमा बना हुआ है। सुहाने मौसम से पर्यटन स्थल मंडोर उद्यान, कायलाना, कदमकंदी, अरनाझरना और शास्त्री सर्किल पर लोगों का काफी जमावड़ा रहा। कईयों ने तो रविाारिया गोठ का भी आयोजन भी रखा।

तीर्थनगरी पुष्कर में मूसलाधार बारिश के बाद सरोवर पानी से लबालब हुआ

तीन चार सालों बाद पुष्कर में रविवार को मेहरबान हुए इंद्र देवता

पुष्कर, (निसं)। पवित्र तीर्थ नगरी पुष्कर में रविवार को हुई बारिश से सरोवर में भारी जल की आवक हुई है। अब सरोवर लबालब नजर आने लगा है। वही बारिश की वजह से पुष्कर की मुख्य सड़के दो ढाई फिट पानी से लबालब भर गइ। जिससे आवागमन बंद हो गय। गत तीन चार सालों बाद हुई बारिश से पुष्कर में रविवार को इंद्र देवता मेहरबान हुए है जिससे सरोवर में काफी पानी की आवक हुई।

पुष्कर सरोवर हिंदुओ का बड़ा तीर्थ है इसे ब्रह्म सरोवर भी कहते है। सरोवर में लाखो लोग स्नान पूजा करते है। सरोवर में पानी की आवक देखने के लिए लोग सरोवर के किनारे बने फूल पर पहुँच गए। लोग कई सालों बाद हुई बारिश से खुश नजर आए। बारिश की वजह से पुष्कर के मुख्य मागी में पानी भर गया जिससे सड़के दरिया बन गयी। जिसकी वजह से लोगो को गुजरने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सरोवर का जल स्तर लगभग 13 फुट हो गया है। स्थानीय निवासी सावर सिंह रावत ने बताया कि तीन चार साल बाद हुई बारिश से काफी खुशी है।

बारिश में आए कई जहरीले खोबरे रविवार को हुई बरसात से पुष्कर सरोवर में कई जहरीले सांप बह कर आए हैं। स्नान पूजा अर्चना करने वाले सभी श्रद्धालुओं को बड़े ही ध्यान से सरोवर में अभी स्नान करना चाहिए हालांकि पानी में सांप काटने से जहर नहीं चढ़ ता है लेकिन फिर भी घाट के किनारे अगर सांप काटता है तो निश्चित रूप से कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

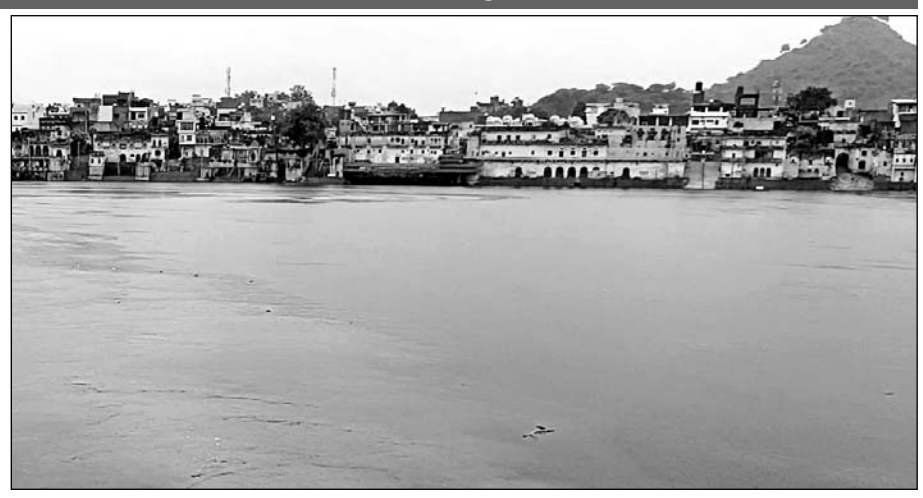

पुष्कर में बारिश के चलते सरोवर का जल स्तर 13 फीट हो गया है।

वॉटर मैन केरॉन रानश्ले के कुल्हे का ऑपरेशन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के वॉटर मैन के नाम से मशहूर एवं शहर के प्राचीन एवं ऐतिहासिक जलस्त्रोतों की रख-रखाव कर आमजन को जागरूक करने वाले आयरलैण्ड निवासी केरॉन रानश्ले के पैर की कूल्हे का ऑपरेशन रविवार को मथुरादास माथुर अस्पताल में डॉ. अरूण वैश्य द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

मेहरानगढ म्यूजियम ट्रस्ट के महाप्रबन्धक जगतसिंह राठौड ने बताया कि 17 जुलाईको डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर को सूचना प्राप्त हुई कि केरॉन फिसलने दुर्घटनाग्रस्त हो गये हैं और उनके पैर के कुल्हे में चोट आयी है और उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती किया गया है। तुरन्त ही इस बाबत् सूचना मेहरानगढ म्यूजियम ट्रस्ट के मुख्य प्रबन्ध न्यासी पूर्व शासक गजसिंह को भिजवाई गई। उन्होंने तुरन्त प्रभाव से सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश प्रदान किये। इस पर मेहरानगढ ट्रस्ट से कर्मचारी को भेजकर डॉक्टर्स से सम्पर्क करे उनके इलाज के आवश्यक संसाधन उपलबध करवाये गये।

जैसे ही सोशल मीडिया और समाचार पत्रों से केरॉन के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिली अनेक शहरवासी व सामाजिक संस्थाओं ने अस्पताल पहुंचकर न केवल उनकी कुशल क्षेम पूछी बल्कि मदद के लिए भी अपने हाथ बढाये। हमारे शहर की अपणायत व संस्कृति को चरितार्थ करते हुए एक विदेशी के लिए संकट की घडी में लोग बिना किसी निजी स्वार्थ के खडे हो गए। हमारे शहर की यही पहचान है, जिस पर हमें गर्व है।

न्याय पाने की चाहत में अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है 'बेगुनाह लुटेरा'

कानपुर। न्याय पाने की चाहत में बेगुनाह लुटेरा व उसके परिजन अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि उन्हें न्याय मिलेगा और मनगढन्त कहानी रचने वाले दोषी पुलिसवालों को सजा अवश्य मिलेगी। जी हां, मामला गुजैनी थाने का है। मिली जानकारी के अनुसार गुजैनी थाना क्षेत्र के अम्बेडकर नगर नहर पुल के पास 18/19 जून 2022 की रात्रि में लूट की तीन वारदातों को अंजाम दिया गया। लेकिन पुलिस ने पहली लूट के पीड़ित को वादी, दूसरे पीड़ित को गवाह और तीसरे पीड़ित को आरोपी बनाकर जेल भेज दिया। लेकिन कहा जाता है कि सच्चाई सामने आ ही जाती है और यही हुआ भी। अब तीनों वारदातों के तथ्यों के मिलने पर पुलिस की फर्जी खेल खुल गया। परिणामत: पुलिस द्वारा किये गये लूट के खुलासे पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट अन्तर्गत नवसृजित थाना गुजैनी क्षेत्र में बिगत 18/19 जून 2022 को गुजैनी नहर व हाइवे के पास एक ही रात में कुछेक मिनटों के अन्तराल पर लूट की तीन वारदातों को अंजाम दिया गया। किन्तु पुलिस ने तीनों वारदातों को एक दिखा दिया और पहली घटना के पीड़ित को वादी मुकदमा, दूसरी घटना के पीड़ित को गवाह और तीसरी घटना के शिकायतकर्ता अम्बेडकर नगर निवासी राजन सिंह को आरोपी बनाकर जेल के सलाखों के पीछे भेज दिया।

इसके बाद प्रकाश में आया है कि वादी मुकदमा गोविन्द प्रसाद व चश्मदीद गवाह ब्रजेश कुमार सैनी ने जेल भेजे गये राजन सिंह को निर्दोष बताते हुए माननीय न्यायालय व पुलिस आयुक्त के समक्ष शपथपत्र दे दिये थे। साथ ही अब इस खुलासे में नया मोड़ आ गया है और जेल छूटे आरोपी राजन सिंह ने बताया कि उसके साथ भी लूट की गई थी जिसकी सूचना उसने 112 पर दी थी किन्तु उसकी कोई बात नहीं सुनी गई बल्कि पुलिस ने उसे आरोपी बनाकर जेल भेजकर उसका कैरियर खत्म कर दिया। वादी मुकदमा गोविन्द प्रसाद व चश्मदीद गवाह ब्रजेश कुमार सैनी ने गुजैनी पुलिस पर गम्भीर आरोप लगाया कि सिर्फ गुडवर्क के चक्कर में थानाध्यक्ष रवि शंकर त्रिपाठी ने राजन सिंह को आरोपी बनाया है।

राजन के भाई शिववीर सिंह ने बताया कि जिले के आलाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को मामले से अवगत करा चुका है लेकिन दोषी पुलिस वालों पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे लगता है कि पुलिस के कुछ अधिकारियों का संरक्षण दोषी पुलिस वालों को प्राप्त है। शिववीर ने बताया कि अपने भाई को न्याय दिला कर रहेगा और न्याय दिलाने के लिये वो निचली अदालत से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की चौखट तक जायेगा। लेकिन अपने निर्दोष भाई को जेल भेजने वालों को सख्त से सख्त सजा दिलाकर रहेगा।

डूंगरपुर में दिनभर रुक रुककर चला फुहारों का दौर

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में दिन खुलने के साथ ही फुंहारो का दौर दिनभर चलता रहा, हालांकि इससे न तो परीक्षार्थियों को और न ह आमजन को अपनें कार्यों में व्यवधान का सामना करना पडा। बाढ नियंत्रण कक्ष के अनुसार सर्वाधिक वर्षा निठाऊवा में 30 एमएम दर्ज की गई। पिछले दिनों से हुई बारिश के बाद जिले के कुछ जलाशयों व बांधों में पानी की आवक शुरू हुई हैं, लेकिन अभी भी झमाझम बारिश का इंतजार हैं। जिसके माध्यम से जिले के तालाब बांध लबालब हो सके। शहर के पेयजल के दोनों प्रमुख स्त्रोत अभी रिते पडे हुए हैं, हालांकि रूक रूककर हो रही वर्षा के कारण जो ट्यियूबवेल नकारा हो गये थे उनमें पुन: पानी की आवक शुरू हो गई हैं।

जिले में पिछले कुछ दिनों से मानसून की बेरुखी बनी हुई है। रविवार को सुबह आसमान में बादल छाए रहे। धूप तक नहीं निकली और 9 बजे बाद अचानक बूंदाबांदी और फिर हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया। जिला कंट्रोल रूम के अनुसार रविवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश निठाउवा में सवा इंच (30 एमएम) रिकॉर्ड की गई है। इसके अलावा झोथरी में 14 एमएम, साबला में 13 एमएम, धंबोला में 10 एमएम, कृषि विज्ञान केंद्र फलोज में 5.5 एमएम, डूंगरपुर में 6 एमएम, गलियाकोट में 4 एमएम, गणेशपुर में 2 एमएम, सागवाडा और आसपुर में 1 एमएम, चिखली में ढाई एमएम, बारिश रिकॉर्ड की गई है। देवल, कनबा में सुखा रहा। जिले में इस मानसून में अब तक औसत 307 एमएम बारिश हुई है। वहीं, जिले के सोमकमला आंबा बांध समेत सभी 23 बांधों में पानी की कोई खास आवक नहीं हुई है। बांध अब तक खाली पडे हैं।

- निठाउवा में सर्वाधिक सवा इंच बारिश, बांधों व जलाशयों में पानी की आवक जारी